दक्षिण रेलवे/**SOUTHERN RAILWAY**

No.P(R)473/P/FP/Vol.VI

प्रधान कार्यालय/ Headquarters Office
कार्मिक शाखा/ Personnel Branch
चेन्नै/Chennai - 600 003
दि./ Dated:13-08-2018

आर बी ई सं/**RBE No. 104 / 2018** पी बी सी सं/ **PBC No: 159 / 2018**

All PHODs / DRMs / CWMs / CEWE / CAO / CPM / Dy.CPOs / Sr.DPOs / DPOs / SPOs / WPOs / APOs of HQ / Divisions / Workshops / other Units, etc.,

(As per mailing list –'A' )

विषय/Sub:Inclusion of a Parent as well as "Medical Attendant" in Special Passes issued on medical grounds in favour of minor children of railway employees.

******

A copy of Railway Board's letter No.E(W)2015/PS5-1/1 dated 03-08-2018 (RBE No. 104/2018 on the above subject is enclosed for information, guidance and necessary action.

(V.SRINIVASAN)
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/नियम
Senior Personnel Officer/Rules
For Principal Chief Personnel Officer

संलग्न/Encl: as above

प्रतिलिपि/Copy to : The Genl Secy / SRMU
The Genl Secy / AISCSTREA
The Genl Secy / AIOBCREA

The Genl Secy / NFIR

**RBE No.: 104/2018**

**ADVANCE CORRECTION SLIP No.: 77**

**भारत सरकार Government of India**

**रेल मंत्रालय Ministry of Railways**

**(रेलवे बोर्ड) (Railway Board)**

महाप्रबंधक का कार्यालय
GENERAL MANAGER'S OFFICE
09 AUG 2018
दक्षिण रेलवे/Southern Railway
चेन्नै/Chennai-600 003

**No.E(W)2015/PS5-1/1** **New Delhi, dated 03.08.2018**

The General Managers (P)
All Zonal Railways &
Production Units.

Sub: Inclusion of a Parent as well as "Medical Attendant" in Special Passes issued on medical grounds in favour of minor children of railway employees.

In the PNM/AIRF Meeting with Board, the Federation had raised the issue regarding non-inclusion of a parent in the Special Passes issued for outstation medical treatment of children of railway employees due to absence of necessary provision in the extant Pass Rules.

2. The issue has been examined in detail and in order to obviate the difficulties in such cases, it has been decided with the approval of the Competent Authority to incorporate the following provision in Schedule VII (Special Passes) of the Railway Servants (Pass) Rules, 1986 (Second Edition - 1993) as item No.5 (below Note of Item No.4) under Column 3 'Entitlement/facilities':-

> "5. In case of minor children (i.e. boys under the age of 15 years and girls under the age of 18 years), if referred to outstation hospitals for medical treatment, Special Passes in favour of (i) railway servant or his/her spouse, (ii) minor child requiring treatment and (iii) a Medical Attendant (who may be a family member or dependent or any other person) will be issued. The pass will ordinarily be issued for the class of entitlement of the railway servant on privilege account or in higher class, if otherwise admissible under these rules."

3. This issues with the concurrence of Finance Directorate of Ministry of Railways.

V. Mura

**(V. Muralidharan)**
**Dy. Director Estt.(Welfare)-I**
**Railway Board**

आर बी ई सं.: 104/2018

अग्रिम शुद्धि पर्ची सं.: 77

# भारत सरकार
# रेल मंत्रालय
# (रेलवे बोर्ड)

सं. ई(डब्ल्यू)2015/पीएस5-1/1 नई दिल्ली, दिनांक 03.08.2018

महाप्रबंधक (कार्मिक)
सभी क्षेत्रीय रेलें एवं
उत्पादन इकाइयां.

विषय: रेल कर्मचारियों के नाबालिग बच्चों के पक्ष में चिकित्सीय आधार पर जारी किए जाने वाले विशेष पास में "चिकित्सीय परिचर" के साथ माता/पिता को शामिल करने के संबंध में।

बोर्ड के साथ पीएनएम/एआईआरएफ बैठक में, फेडरेशन ने मौजूदा पास नियमों में आवश्यक प्रावधान न होने के कारण रेल कर्मचारियों के बच्चों को आउट-स्टेशन चिकित्सीय उपचार के लिए जारी किए जाने वाले विशेष पास में माता/पिता को शामिल न करने के संबंध में मामला उठाया है।

2. मामले की विस्तार से जांच की गई है और ऐसे मामलों में होने वाली कठिनाइयों को दूर करने हेतु सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से रेल सेवक (पास) नियम, 1986 (द्वितीय संस्करण- 1993) की अनुसूची VII (विशेष पास) के कॉलम 3 'हकदारी/सुविधाओं' के अंतर्गत मद सं. 4 की टिप्पणी के नीचे मद सं. 5 के रुप में निम्नलिखित प्रावधान को शामिल करने का निर्णय लिया गया है:-

"5. नाबालिग बच्चों के मामले में (अर्थात् 15 साल से कम उम्र के लड़के और 18 साल से कम उम्र की लड़कियां), यदि चिकित्सीय उपचार के लिए आउट-स्टेशन अस्पताल भेजा जाता है तो विशेष पास (i) रेल सेवक या उनका/उनकी पति/पत्नी, (ii) नाबालिग बच्चा जिसका उपचार होना है और (iii) एक चिकित्सीय परिचर (जो परिवार का सदस्य या आश्रित या कोई अन्य व्यक्ति) के पक्ष में जारी किया जाएगा। पास सामान्यत: उस श्रेणी का जारी किया जाएगा जिसके लिए रेल सेवक सुविधा खाते पर हकदार है या उच्चतर श्रेणी में यदि इन नियमों के अंतर्गत स्वीकार्य है।"

3. इसे रेल मंत्रालय के वित्त निदेशालय की सहमति से जारी किया जा रहा है.

वी. मुरलीधरन

(वी. मुरलीधरन)
उप निदेशक, स्था.(कल्याण)-I
रेलवे बोर्ड